नईदुनिया

कर्मयोगी भाव, भावनाओं के साथ प्रतिबद्ध प्रयास समय की जरूरतः पटेल

■ प्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर प्रतिबद्धता के साथ बढ़ रहाः डॉ. यादव ■ राजभवन में कर्मयोगी बनें कार्यशाला का शुभारम्भ

भोपाल(काप्र)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश इतिहास के ऐसे पड़ाव पर पहुंच गया है, जहां से साफ दिख रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। कर्मयोगी भाव, भावनाओं के साथ विकसित भारत के लिए प्रतिबद्ध प्रयास समय की जरूरत है। कर्मयोग दैनिक जीवन में उच्चतर उद्देश्य के लिए आगे बढ़ने का वह रास्ता है जो व्यक्तिगत उन्नति के साथ समाज सुधार और सेवा का प्रभावी साधन है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश राष्ट्र नीति के संकल्प पथ पर प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी विभिन्न भाषाए, बोलियां, मनोभाव और मूकभाव सभी संस्कृति के वह आभूषण है, जिन पर हमें गर्व है। प्रदेश में अन्य भाषाओं तमिल, तेलुगू आदि पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रदेश में प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिशन कर्मयोगी के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल करते हुए कमेटी बनाई जाएगी। यह बातें राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित कार्यशाला के शुभारंभ कार्यक्रम में कही। कार्यशाला का आयोजन राजभवन मध्यप्रदेश द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग और यूनाइटेड कॉन्शियसनेस के सहयोग से किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता और अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन ने छिंदवाड़ा के पारंपरिक बुनकरों

द्वारा तैयार उत्तरीय परिधान और पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया। कार्यशाला में उप कुलपति जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रोफेसर शांतिश्री धुलीपुड़ी पंडित, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष भरत शरण सिंह, मप्र हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल, आयुक्त उच्च शिक्षा निशांत बरबड़े भी मंचासीन थे।

राज्यपाल ने कहा कि आज हमारे देश ने ज्ञान, विज्ञान, अर्थव्यवस्था सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। दुनिया में भारत की नई पहचान और साख बनी है। हमारा देश ऐसे मोड़ पर है, जहां से एकजुट और एकमत प्रयासों से राष्ट्र विकास की नई इबारत लिखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि 4-5 दशक पूर्व आज के विकसित राष्ट्रों में भी ऐसे ही मोड़ आए थे। नागरिकों के कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित प्रयासों से राष्ट्र का स्वरूप बदल दिया। श्री पटेल ने कहा कि विकसित भारत निर्माण के लिए कर्मयोगी, भावी पीढ़ी का निर्माण शिक्षकों का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में कर्मयोगी बनने के लिए काम की प्रकृति चाहें जो भी हो, व्यक्तिगत लाभ की इच्छा, परिणाम, सफलता और असफलता किसी की भी चिंता किए बिना लगातार कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मयोगी कार्य शाला का आयोजन अद्भुत है। कार्यक्रम का भाव और भावना अभूतपूर्व है। सौभाग्य की बात है कि 5 हजार वर्ष पूर्व प्रदेश की धरती से शिक्षित कर्मयोगी के कर्मवाद का पुनर्जागरण प्रदेश से ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर्मयोगी ऋषि परंपरा का अक्षरशः प्रतिरूप है। प्रधानमंत्री के मनोभावों के आधार पर सुशासन के दृष्टिगत होने वाले सभी सुशासन के प्रयोगों को अंतिम कड़ी तक पहुँचाने का प्रयास मिशन कर्मयोगी है। निष्काम भाव, अहंकार से मुक्त बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के लिए निरंतर कार्य करना ही कर्मयोग है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की विशालता अद्भुत है, जो अतिरंजित बातों को भी सुन लेती है। सही, अच्छी बातों को सद्भावना के साथ लेकर आगे चलती है। इसी लिए आज दुनिया भारतीय दर्शन से प्रेरणा प्राप्त कर रही है।

कर्मयोग का चिंतन लक्ष्य पूर्ति के लिए निरंतर कार्य करनाः परमार

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि कर्मयोगी बने कार्य शाला दूरगामी पहल है। कार्य शाला का चिंतन शिक्षा जगत में आमूल चूल परिवर्तन का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि कर्मयोग का चिंतन लक्ष्य पूर्ति के लिए निरंतर कार्य करते रहना है। समय और परंपराओं का अनुपालन मात्र राष्ट्र जीवन के लिए पर्याप्त नहीं है। राष्ट्र की आवश्यकता लक्ष्य पूर्ति के लिए निरंतर कार्य करते रहना है। कर्मयोग का चिंतन इसी अवधारणा पर आधारित है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कर्तव्यों का सर्वश्रेष्ठ पालन आवश्यक है।

नियमों के चिंतन से भूमिका की चिंता की ओर जाएंः सुब्रह्मण्यम

मानव संसाधन क्षमता निर्माण आयोग, मिशन कर्मयोगी के सदस्य प्रोफेसर बाला सुब्रह्मण्यम ने कहा कि न्यू इंडिया के लिए टीम इंडिया जरूरी है। टीम इंडिया के लिए कर्मचारियों को कर्मयोगी बनाना होगा। जरूरी है कि कर्मचारी विकसित भारत के भविष्य के लिए तैयार रहे। इसके लिए जीवन की सीख के द्वारा उनकी क्षमता को बढ़ाना होगा। क्षमता वृद्धि के लिए नियमों के चिंतन से भूमिका की चिंता की ओर जाना होगा। इसके लिए विकास का संकल्प, हमारी परंपराओं के प्रति गर्व का एहसास, अधिकारों की अपेक्षा, कर्तव्यों पर बल के चार संकल्प आवश्यक है। स्वाध्याय, समर्पण और स्वधर्म का प्रतिबद्ध पालन जरूरी है।

शिक्षकों को गुरु बनना होगाः प्रो. राधाकृष्णन

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स आईआईटी कानपुर के अध्यक्ष पद्मश्री के. राधाकृष्णन ने कहा कि विकसित भारत के लिए शिक्षकों को गुरु बनना होगा। श्रीमद् भगवत गीता के 700 श्लोक धर्म से प्रारंभ होकर मम पर समाप्त होते हैं श्रीमद् भगवत गीता सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से धर्म पथ को प्रदर्शित कर बताती है कि समय का कर्म ही व्यक्ति का धर्म है। इसी लिए वह शाश्वत और प्रासांगिक है। उन्होंने कहा कि सभी परिस्थितियों में सम भाव से समान प्रयास और आसक्तियों को त्यागना ही कर्मयोग है।

शिक्षा की चुनौतियों और समाधान की पहलः तोमर

यूनाइटेड कॉन्शियसनेस के ग्लोबल संयोजक विक्रांत सिंह तोमर ने कार्यशाला के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला में 78 विश्वविद्यालयों के शिक्षा जगत के ख्यात नाम शामिल हुए है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में कर्मयोगी शिक्षा का वातावरण बनाने की चुनौतियों और समाधान पर 11 हजार 7 सौ से अधिक शिक्षक और विद्यार्थियों ने चिंतन किया। उन्होंने 450 चुनौतियों और समाधान का चिन्हांकन किया है। प्रमुख 11 चुनौतियों और समाधान पर शिक्षाविदों के द्वारा कार्य शाला में विचार विमर्श किया जाएगा।

5वीं और 8वीं बोर्ड पेटर्न परीक्षाओं के परिणाम घोषित

5वीं में 92.70 व 8वीं में 90.02 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

भोपाल(काप्र)।

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाओं का परिणाम शुक्रवार को जारी किया गया।

राज्य शिक्षा केन्द्र संचालक हरजिंदर सिंह ने परीक्षा पोर्टल का रिजल्ट बटन क्लिक कर परिणाम घोषित किये। उन्होंने बताया कि प्रदेश में परीक्षा परिणाम 92.70 प्रतिशत रहा, जो कि, विगत वर्ष के परिणाम प्रतिशत 90.97 से लगभग 2 प्रतिशत अधिक है। वहीं कक्षा 8वीं का परीक्षा परिणाम 90.02 रहा है जो कि पिछले वर्ष के परिणाम प्रतिशत 87.71 से लगभग ढाई प्रतिशत अधिक रहा है। कक्षा- 5वीं में बालिकाओं के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 94.12 रहा जबकि बालकों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 91.38 रहा। कक्षा 8वी में बालिकाओं के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 91.72 रहा जबकि बालकों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 88.41 रहा है।

5वीं में शहडोल संभाग तथा डिण्डौरी जिला अव्वलः शुक्रवार को घोषित परीक्षा परिणामों में कक्षा 5वीं में टॉप 10 संभागों में शहडोल, चंबल, नर्मदापुरम, इंदौर, जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर, रीवा, उज्जैन और सागर क्रमशः रहे। वहीं कक्षा 5वीं के परिणामों में टॉप 10 जिले डिंडोरी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, अनूपपुर, झाबुआ, सीधी, सीहोर, अलीराजपुर और छिंदवाड़ा क्रमशः रहे।

8वीं में इंदौर तथा नरसिंहपुर रहे अव्वलः कक्षा 8वी के परीक्षा परिणामों में टॉप 10 संभाग इंदौर, नर्मदापुरम, शहडोल, चंबल, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा और सागर क्रमशः रहे। कक्षा 8वीं के परिणामों में टॉप 10 जिले क्रमशः नरसिंहपुर, अलीराजपुर, डिंडोरी, झाबुआ, बालाघाट, अनूपपुर, सीहोर, छिंदवाड़ा, बड़वानी, और मंडला रहे।

श्री सिंह ने बताया कि विद्यार्थी राज्य शिक्षा केंद्र की वेबसाइट पर अपना परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। रिजल्ट जारी होते ही इस साइड पर प्रति मिनिट लगभग 70 हज़ार से अधिक विद्यार्थियों ने अपना परीक्षा परिणाम देखा। रिजल्ट लिंक पर परिणाम देखने में किसी भी विद्यार्थी या अभिभावक को कोई परेशानी न हो इस दृष्टि से राज्य शिक्षा केन्द्र ने इस बार विशेष व्यवस्थाएं की थी। रिजल्ट लिंक पर अनेक सर्वर एक साथ जोडे गए थे। इनके माध्यम से लाखों लोगों ने बिना किसी परेशानी के एक साथ अपना परीक्षाफल देखा और डाउनलोड किया।

एक लाख स्कूलों के 23 लाख विद्यार्थियों ने दी परीक्षाः इस वर्ष इन परीक्षाओं में प्रदेश के 1 लाख 12 हजार 323 शासकीय और निजी विद्यालयों तथा मदरसों के लगभग 23 लाख विद्यार्थी इन परीक्षाओं में सम्मिलित हुए थे। जिनमें से 95 हज़ार 417 विद्यालय ग्रामीण तथा 16 हज़ार 906 विद्यालय शहरी क्षेत्रों के हैं। इनमें 86 हज़ार 553 शासकीय, 25 हज़ार 101 निजी विद्यालय एवं 669 मदरसे शामिल हैं। कक्षा 5वीं के कुल 11 लाख 17 हज़ार 961 विद्यार्थियों में से 8 लाख 24 हज़ार 598 ग्रामीण और 2 लाख 93 हज़ार 363 विद्यार्थी शहरी क्षेत्रों के हैं। वहीं कक्षा 8वीं के कुल 11 लाख 68 हज़ार 866 विद्यार्थियों में से 8 लाख 35 हज़ार 733 ग्रामीण और 3 लाख 33 हज़ार 133 विद्यार्थी शहरी क्षेत्रों के हैं।

12,623 केन्द्रों पर परीक्षा, 322 केन्द्रों पर मूल्यांकन उपरांत तैयार हुआ परिणाम

राज्य शिक्षा केन्द्र ने इस वर्ष संपूर्ण परीक्षा आयोजन सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कड़ी मेहनत और तकनीक समर्थित रणनीति तैयार की थी। जिसके तहत प्रत्येक जिलें के लिए पृथक-पृथक प्रश्न-पत्रों के सेट तैयार किए गए थे। विद्यार्थियों की सुविधा अनुसार उनके स्कूलों के समीप ही 12 हज़ार 623 सर्व सुविधायुक्त विद्यालयों में परीक्षा केन्द्रों का निर्माण किया गया। बोर्ड पैटर्न पर उत्तर पुस्तिकाएं एक विकासखंड से दूसरे विकासखंड पर तथा ज़िले मुख्यालय की उत्तर पुस्तिकाएं जिले के डाइट केन्द्र पर मूल्यांकन हेतु भेजी गई थी। जिनके मूल्यांकन उपरांत 322 मूल्यांकन केन्द्रों से मोबाईल एप पर ऑनस्पॉट अंकों की प्रविष्टियां के बाद परीक्षा परिणाम तैयार हुआ है।

74,697 किसानों से 5.8 लाख मीट्रिक टन हुई गेहूँ खरीदी : राजपूत

भोपाल(काप्र)।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक 74697 किसानों से 5 लाख 80 हजार 711 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक 757 करोड़ 36 लाख रूपये का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। जिला उज्जैन में एक लाख 19 हजार 535, सीहोर में 83735, देवास में 60456, शाजापुर में 60282, इंदौर में 42765, भोपाल में 38640, राजगढ़ में 36457, मंदसौर 25292, आगर मालवा में 23604, धार में 20564, विदिशा में 19593, हरदा में 13451, खण्डवा में 11082, रतलाम में 10857, नीमच में 3351, नर्मदापुरम में 3307, झाबुआ में 2965, रायसेन में 2708, बैतूल में 1000, दमोह में 460, खरगौन में 329, गुना में 252, सागर में 22 और अलीराजपुर में 4 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। इस वर्ष अभी तक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिये 13 लाख 98 हजार किसानों ने पंजीयन करवाया है। पंजीयन की अंतिम तारीख 31 मार्च है।

आरईसी ने अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस को सौंपा ट्रांसमिशन एसपीव्ही

भोपाल(काप्र)। मप्र को आगामी दो से तीन वर्षों में दो चरणों में 1230 मेगावॉट विद्युत की अतिरिक्त उपलब्धता रहेगी। इसके लिये बिजली कंपनी के मुख्यालय जबलपुर में आरईसी ने अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमि. को ट्रांसमिशन एसपीव्ही सौंपा।

मेगावॉट विद्युत निकासी हेतु नियामक आयोग के विनियमानुसार टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धा बोली प्रक्रिया के अंतर्गत पारेषण अधोसंरचना के विस्तार हेतु मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी द्वारा मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी/एस.टी.यू. से अनुरोध किया गया था। शासन ने निविदा

इस परियोजना के तहत मेसर्स महान एनर्जेन लिमिटेड के बंधौरा (सिंगरौली) पॉवर जनरेटिंग प्लांट से मध्यप्रदेश के हिस्से की 1230 मेगावॉट विद्युत निकासी के लिये ट्रांसमिशन नेटवर्क तैयार किया जाना है। एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता देवाशीष चक्रवर्ती ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी ने 1230 मेगावॉट विद्युत प्रदाय हेतु मेसर्स महान एनर्जेन लिमिटेड से पॉवर परचेस अनुबंध किया था। मेसर्स महान एनर्जेन लिमिटेड द्वारा 2म800 मेगावॉट क्षमता के पॉवर जनरेटिंग प्लांट की स्थापना प्रस्तावित है। पॉवर प्लांट से मध्यप्रदेश के हिस्से की 1230 प्रक्रिया समन्वयक (बीपीसी) के लिये आरईसीपीडीसीएल (आरईसी पॉवर डेवलपमेंट एंड कंसलटेंसी लिमिटेड) को नियुक्त किया। टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धा बोली (टीबीसीबी) में मेसर्स अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने 2000 करोड़ की इस परियोजना को अन्य बिडर्स के मध्य न्यूनतम दर के आधार पर हासिल करने में सफलता प्राप्त की। श्री चक्रवर्ती ने बताया कि वैधानिक औपचारिकताओं को पूर्ण करने के बाद मप्र पॉवर मैनेजमेंट कंपनी एवं मेसर्स अदानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड के मध्य पारेषण सेवा अनुबंध हस्ताक्षरित हुये।

स्पेशल खबर *मुख्यमंत्री का मध्यप्रदेश विश्वविद्यालयीन संयुक्त संघर्ष समिति ने किया अभिनंदन...*

इंदौर शहर में 5 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य पूर्ण

भोपाल। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी केंद्र एवं राज्य शासन की प्राथमिकता वाली स्मार्ट मीटर परियोजना का अत्यंत तेजी से प्रभावी रूप से संचालन कर रही हैं। शुक्रवार को इंदौर शहर में स्मार्ट मीटर स्थापना का आंकड़ा 5 लाख पार कर गया। इस उपलब्धि पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने पश्चिम क्षेत्र कंपनी के कार्मिकों को बधाई दी है। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि स्मार्ट मीटर सेल के साथ ही जिलों की टीम स्मार्ट मीटर परियोजना का बहुत ही गंभीरता से संचालन कर गुणवत्ता से मीटर स्थापना, सटीक रीडिंग, डाटा कलेक्शन, त्रुटिरहित बिलिंग इत्यादि कार्य कर रही हैं। एमडी श्री सिंह ने बताया कि उपभोक्ता सेवाओं में वृद्धि करते हुए स्मार्ट मीटरीकरण तेजी से जारी हैं। इसी के तहत इंदौर शहर में 5 लाख 500 स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। यह संख्या मप्र के किसी भी शहर में सर्वाधिक हैं। इंदौर के बाद कंपनी क्षेत्र के उज्जैन जिले में 1.12 लाख, रतलाम जिले में 1.10 लाख स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। अन्य जिलों में 10 हजार से 55 हजार स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए गए हैं। कंपनी क्षेत्र में 11.46 लाख स्मार्ट मीटर स्थापना कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में करीब ढाई से 3000 स्मार्ट मीटर प्रतिदिन लगाए गए हैं।

विश्वविद्यालय मेडिकल कॉलेज आरंभ करें, अस्पताल की व्यवस्था करेगी सरकार

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के विश्वविद्यालय निरंतर सशक्त बन रहे हैं। आने वाले समय में सभी विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से समर्थ और सक्षम होंगे। परंपरागत संकायों के साथ-साथ वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप कोर्सेज संचालित करने के लिए विश्वविद्यालयों को प्रेरित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज आरंभ करें, राज्य सरकार अस्पतालों को उनके साथ संबद्ध करने की व्यवस्था करेगी। इन अस्पतालों के वेतन-भत्तों का भार राज्य सरकार वहन करेगी, विश्वविद्यालय पठन-पाठन-परीक्षा आदि की व्यवस्था करेंगे और परीक्षा की फीस का उपयोग मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय के संचालक-प्रबंधन और विस्तार में किया जा सकेगा। डेयरी टेक्नोलॉजी, कृषि जैसे व्यावसायिक दक्षता के कोर्सेज सहित सभी संकाय विश्वविद्यालय अपने क्षेत्र में संचालित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश विश्वविद्यालयीन संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के ज्ञान विज्ञान

भवन में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार शासकीय कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों के हितों का ध्यान रखते हुए आगे बढ़ रही है। प्रदेश के शासकीय विश्वद्यालयों के कर्मचारी एवं पेंशनर्स भी वेतन एवं भत्तों में वृद्धि से लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब निजी और शासकीय केवल दो श्रेणियों के विश्वविद्यालय हैं। सरकार उच्च शिक्षा को नए आयाम देने के लिए नवाचारों के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने जन्मदिवस की शुभेच्छाओं एवं अभिनंदन के लिए विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों एवं पेंशनधारकों का आभार माना और सभागार में उपस्थित सभी लोगों को वर्ष प्रतिपदा गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शासकीय विश्वविद्यालयों की दो पेंशनर्स समितियों को एक-एक लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने की घोषणा की। डॉ. यादव ने कहा कि कर्मचारियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ सक्रिय है। राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के हित में कई निर्णय लिए गए हैं।

मुख्यमंत्री का प्रदेश के सभी शासकीय विश्वविद्यालयों के पेंशनर्स, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और इनसे संबंधित सभी संघों ने सामूहिक रूप से सम्मान और अभिवादन किया। डॉ. यादव को मध्यप्रदेश विश्वविद्यालयीन संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा वृहद पुष्पहार, अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। अभिनंदन समारोह में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एसके जैन, कुल सचिव प्रो. मंसूरी, प्रो. कालिका यादव, प्रो. गोपाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। *

फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com